अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 19.08.2023

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

बावन बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें– 10

(क) आठ कर्मों का बंध, उदय, सत्ता किस-किस गुणस्थान तक?

(ख) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव कितनी आत्मा? तथा छः द्रव्य में कौन व नौ तत्त्व में कौन?

(ग) नौ तत्त्व के 115 बोलों की पृच्छा।

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें– 9

(क) अजीव के चौदह भेद ऊँचे, नीचे, तिरछे लोक में कितने-कितने?

(ख) आठ आत्मा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ग) उदय के तैतीस बोलों में सावद्य कितने निरवद्य कितने?

(घ) अठारह पाप स्थान का उदय, उपशम, क्षय, क्षयोपशम निष्पन्न छः द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) सम्यक्त्व, मिथ्यात्व कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छः द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) जीव पदार्थ कितने भाव? यावत् मोक्ष पदार्थ कितने भाव?

(ग) आश्रव के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?

(घ) दया हिंसा कितने भाव? कितनी आत्मा? छः द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

इक्कीस द्वार-25

प्र. 4 कोई चार बोल पूरे लिखें– 20

(क) मनयोगी।

(ख) सास्वादन सम्यक्त्वी।

(ग) मतिज्ञानी व श्रुतज्ञानी।

(घ) अज्ञानी।

(ङ) परिहार विशुद्धि संयति।

(च) अभाषक।

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें (कितने व कौन-कौन से पाते हैं)– 5

(क) वायुकाय में – योग व आत्मा।

(ख) कृष्णलेश्यी में – उपयोग व दंडक।

(ग) पद्म लेश्यी में – गुणस्थान व दंडक।

(घ) संयता संयति में – योग व वीर्य।

(ङ) भाषक में – जीव के भेद व योग।

(च) अपरीत में – योग व आत्मा।

(छ) अचरम में – उपयोग व भाव।

जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खंड)-30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) अगार धर्म का छठा और आठवां भेद कौन सा है?

(ख) पारमार्थिक दान किसे कहते हैं?

(ग) सास्वादन सम्यग् दृष्टि किसे कहते हैं?

(घ) परपाषंड प्रशंसा का क्या अर्थ है?

(ङ) दर्शन प्रतिमा लिखें।

(च) सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष के कितने व कौन-कौन से भेद हैं?

(छ) परोक्ष प्रमाण किसे कहते हैं?

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) धर्म-अधर्म द्वार लिखें।

(ख) ब्रताब्रत द्वार में अनगार धर्म से पहले तक लिखें।

(ग) सम्यग् दर्शन द्वार शुरू से सम्यक्त्व के भूषण से पहले तक लिखें।

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) 'दव देवो..... तुम एक' वाला दोहा पूरा करें।

(ख) दया किसे कहते हैं? 'जीव जीवै.....गुणखाण' वाला दोहा लिखें।

(ग) अनुकम्पा से संबंधित दोनों दोहे लिखें। (गाय भैंस.....आतम काम)

(घ) उपासक प्रतिमा द्वार में से अंतिम दो प्रतिमा लिखें।

(ङ) मूल और छेद के नाम लिखें।

(च) कृमि, लट में पर्याप्ति, प्राण और योग बतायें।

(छ) 'श्रावक ने वरतां.....जाणो रे' वाला दोहा लिखें।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान-20

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें– 12

प्रत्येक खंड से दो प्रश्नों को हल करें–

पच्चीस बोल–

(क) 17वां पाप

(ख) निर्जरा का दसवां भेद

(ग) उपयोग शब्द का अर्थ

चतुर्भंगी–

(घ) किस गति के जीव कम और किस गति के जीव अधिक?

(ङ) शरीर किस कर्म का उदय?

(च) तुम्हारे में योग कितने?

पच्चीस बोल की चर्चा–किसमें और कौन-कौन से

(छ) बारह योग किसमें?

(ज) अठारह दंडक किसमें?

(झ) चार चारित्र किसमें?

तत्त्व चर्चा–

(ञ) छह द्रव्य में आज्ञा में कितने? आज्ञा के बाहर कितने?

(ट) अधर्म और धर्मास्ति एक या दो?

(ठ) अरिहन्त भगवान देवता या मनुष्य?

प्र. 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) आयुष्य कर्म की गुणस्थान में अवस्थिति ***अथवा*** कर्म के विपाकोदय में कार्यकारी चार निमित्त लिखें।

(ख) षड्द्रव्य द्वार में प्रारम्भ से लेकर जीवास्तिकाय तक लिखें ***अथवा*** भाव द्वार में प्रारम्भ से लेकर औपशमिक भाव तक लिखें।